अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा**, 2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/1/1--3)**

Series QS1PR/1

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। • किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/1/1, 2, 3

अंक-योजना

हिन्दी (ऐच्छिक)

Series QS1PR/1

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/1/1 प्रश्न सं.	29/1/2 प्रश्न सं.	29/1/3 प्रश्न सं.		
1	1	2	1	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) तेजी से बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी इनकी खेती संभव होने के कारण (ii) (D) मोटे अनाज के सेवन और उत्पादन के लिए प्रेरित करना (iii) (B) विषम जलवायु में भी खेती की जा सकने के कारण (iv) (D) इनके उत्पादन में लागत कम आती है (v) (C) कम गुणवत्ता वाली मिट्टी में भी इन्हें लगाया जा सकता है। (vi) (A) कम लागत और पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण (vii) (C) पौष्टिक और स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होने के कारण (viii) (A) गुणवत्ता के प्रति लोगों को जागरूक कर (ix) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (x) (C) I और II दोनों	**10 ×1= 10**
2	2	1	2	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--**	**8 x 1=8**

				(i) (C) सृष्टि में प्राचीनतम होने का (ii) (C) बुलबुले (iii) (C) नये-नये सृजन करने के कारण (iv) (A) क्रियात्मक प्रतिभा (v) (B) सुदृढ़ समाज की रचना (vi) (D) क्रियात्मक शक्ति से युक्त मानव को (vii) (D) सकारात्मक प्रगति के विरुद्ध खड़ी शक्तियों का (viii) (C) नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं	
3	**3**	**6**	**6**	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) समाचार-पत्र (ii) (A) उसका स्थायित्व का गुण है। (iii) (D) पत्रकारीय लेखन (iv) (D) II, I और III (v) (A) उलटा पिरामिड शैली में	**5 x 1=5**
4	**4**	**5**	**3**	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) जीवन में प्रसन्नता का छा जाना (ii) (A) हर दिन की शुरुआत उल्लास के साथ होती है (iii) (A) शहर की पूर्णता और रिक्तता से (iv) (D) मोक्षदायिनी गंगा का (v) (C) मृत्युरूपी अंधकार	**5 x 1=5**
5	**5**	**4**	**4**	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) जिसका मन अपने नियंत्रण में है (ii) (B) अपनी कमजोरियों को छिपाने की कोशिश (iii) (D) दूसरों को समान स्तर पर लाने की कोशिश करना (iv) (D) स्वयं पर नियंत्रण रखें, मन पर विजय प्राप्त करें। (v) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**5 x 1=5**
6	**6**	**3**	**5**	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--**	**7 x 1=7**

				(i) (B) गाँव वालों द्वारा सुभागी के प्रसंग में की जाने वाली बदनामी से (29/1/1) (i) (B) सुभागी का रात भर सूरदास की झोंपड़ी में रहना (29/1/2) (i) (D) भैरों को मिली पैसों की थैली पर (29/1/3) (ii) (A) संख्याओं में (iii) (A) सुभागी के घर से बेघर होने की (iv) (B) कट जाने के कारण दर्द से कसकना (D) नए दाँत निकलने पर होने वाला दर्द (दोनों में से कोई भी विकल्प स्वीकार्य) (v) (C) पानी छोड़कर जमीन पर आ जाती है। (vi) (B) आसमान में बादल गरज रहे थे। (vii)(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	
7	**7**	**7**	**7**	**खंड-ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**9**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) • शब्दों से खेलना • शब्द कविता की अनजानी दुनिया का पहला उपकरण • शब्दों से मेलजोल कविता की पहली शर्त • शब्दों के भीतर छिपे अर्थ की परतों को खोलना • शब्दों की तुकबंदी से छंद, लय और व्यवस्था की दुनिया में ले जाना (कोई तीन बिंदु स्वीकार्य)	**2 x 3=6**

				(ख) • संवाद द्वारा कहानी के पात्र को स्थापित, विकसित करना और गति देना • जो घटना या प्रतिक्रिया कहानीकार होते हुए नहीं दिखा सकता, उसे संवादों के माध्यम से सामने लाना • संवाद के बिना पात्र की कल्पना भी मुश्किल (ग) • नाटक में स्वीकार से अधिक अस्वीकार की धारणा का महत्त्व • जिस नाटक में असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध और अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्त्वों की जितनी ज्यादा उपस्थिति, वह उतना ही रोचक और प्रभावशाली • किसी भी विचार, व्यवस्था अथवा तात्कालिक समस्याओं को यथास्थिति स्वीकार करने वाले नाटक अधिक लोकप्रिय नहीं	
9	**9**	**8**	**8**	**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (1+2) • संपादक के नाम पाठकों के पत्र को • पाठकों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने के साथ जन-समस्याओं को उठाकर जनमत को प्रतिबिंबित करना • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत करने का अवसर (ख) (2+1) • हिन्दी के फौंट की सहज अनुपलब्धता • हिन्दी का अपना कोई 'की-बोर्ड' न होना • डायनमिक (सर्वमान्य) फौंट का न होना **आवश्यक कदम अपेक्षित :** • हिन्दी फौंट को सहज उपलब्ध कराया जाए • 'की-बोर्ड' का मानकीकरण हो	**2 x 3=6**
10	**10**			**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • कवि निराला का जीवन-संघर्ष	**2 x 2=4**

		10		• भाग्यहीन पिता का संघर्ष, समाज से उसके संबंध, पुत्री के प्रति बहुत कुछ न कर पाने का अकर्मण्यता बोध (ख) • पेड़ों से पत्ते झड़ना , नई कोपलें फूटना • शीतल-मंद हवा बहना, ढाक के जंगल दहकना • कोयल, भ्रमरों का अपनी मस्ती में झूमना • रंग-बिरंगे फूल खिलना (ग) • नायिका सुजान कब तक कवि घनानंद की पुकार को सुनकर भी न सुनने का दिखावा करती रहेगी? • घनानंद को पूर्ण विश्वास है कि उसकी 'कूकताभरी मूकता' के आगे नायिका को अपना हठ छोड़ना ही पड़ेगा और कवि से बात करनी ही होगी। (क) • दिवंगत पुत्री सरोज की स्मृति की सघन अनुभूतियों की अभिव्यक्ति • पुत्री के माध्यम से दिवंगत पत्नी की भी स्मृति हो आना • अभाव और संघर्षों के चलते पुत्री सरोज के लिए बहुत कुछ न कर पाने की पीड़ा (ख) • आज के नगरीय मनुष्य का प्रकृति से नाता टूटना • ऋतुपरिवर्तन से उत्पन्न प्राकृतिक परिवर्तनों से अनजान • वसंत के आगमन की सूचना भी कैलेंडर देखकर, स्कूल, कॉलेज या दफ्तर में छुट्टी से मिलना ही जीवन की विडंबना (ग) • घनानंद को अपने प्रेम पर पूर्ण विश्वास • कवि को अपने मौन में प्रेम की पीड़ा से प्रेयसी को उससे बात करने (प्रेमाभिव्यक्ति) के लिए विवश होने का विश्वास • उसके हृदय की पीड़ा अवश्य ही प्रेयसी महसूस करेगी और उससे मिलने आएगी।	
			10	(क) • हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मृतक व्यक्ति की आत्मा की शांति, मोक्ष तथा अपनी भावाभिव्यक्ति के	

				लिए जल तथा तिल आदि अन्य वस्तुओं से किया गया अर्पण ही तर्पण कहलाता है। • कवि अपने विगत जीवन में किए गए अच्छे कर्मों का फल अपनी पुत्री को भेंट कर उसका तर्पण करता है। (ख) • वसंत ऋतु की हवा में शीत ऋतु की हवा की कँपकपाहट न होकर, हल्की-सी गर्माहट होती है। • ऐसा लगता है हवा गर्म पानी में नहाकर आई हो। • खिली-खिली तेजी से आती हवा, गोल-गोल फिरकी-सी घूमती है। (ग) • प्रेमिका सुजान के न आने से घनानंद का उदास होना • प्रेयसी के आगमन की सूचना देने वाले आनंद के बादल अब उसके मन रूपी आकाश में नहीं घिरते	
11	**11**	**11**	**11**	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) कवि – जयशंकर प्रसाद कविता – देवसेना का गीत **अथवा** (ख) कवि—मलिक मुहम्मद जायसी कविता – बारहमासा	**6**
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • बालक द्वारा इनाम में लड्डू की माँग को • लेखक ने सुख की साँस ली कि बालक थोपे गए ज्ञान के बोझ से मुक्त हो गया। उसकी बालसुलभ प्रवृत्तियाँ, स्वाभाविकता, जीवंतता बनी हुई है। (ख) • मन का भारी होना • संवाद सुनाने में स्वयं को असमर्थ पाना • बड़ी बहुरिया के दुखों से समानुभूति करना	**2 x 2=4**

				• बड़ी बहुरिया के अपने गाँव (मायके) लौट जाने की आशंका पर संवदिया को अपने गाँव की बदनामी की चिंता	
				(ग) • हर की पौड़ी की भीड़ में एकसूत्रता थी, सबका गंतव्य एक ही था। सभी जीवन के प्रति कल्याण की कामना लिए आगे बढ़ रहे थे। कोई दौड़ नहीं थी।	
				• शहर की भीड़ में अपने-अपने गंतव्य स्थल पर पहुँचने की शीघ्रता होती है। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ रहती है।	
		12		(क) • 'बालक बच गया' का अर्थ : ज्ञान के जबरन लादे जाने वाले बोझ से बालक की जीवंतता का, स्वाभाविकता का बच जाना	
				• बालक द्वारा इनाम में लड्डू माँगे जाने पर उसके माता-पिता और अध्यापकों द्वारा लादे जाने वाले ज्ञान के बोझ से बचने के संदर्भ में।	
				(ख) • संवदिया की आँखों के सामने बड़ी बहुरिया का चेहरा घूम रहा था, उसका संवाद उसे काँटे की तरह चुभ रहा था, उसके मन को पीड़ित कर रहा था।	
				• जलपान करते समय उसे लग रहा था, मेरे सामने भरी थाली रखी है जबकि बड़ी बहुरिया दालान पर भूखी-प्यासी बैठी उसकी राह देख रही होगी।	
				• संवाद न सुना पाने की बेचैनी उसे चैन से रहने नहीं दे रही थी।	
				(ग) • मंदिर में जब संभव पंडित जी से कलावा बँधवा रहा था तभी एक दुबली-पतली लड़की भी उसी के पास आकर खड़ी हो गई और अपनी कलाई पुजारी की तरफ बढ़ा दी।	
				• लड़की ने पुजारी जी से अगले दिन आने के लिए कहा – 'हम कल आरती की बेला आएँगे।'	

			12	• पुजारी द्वारा लड़की द्वारा प्रयुक्त 'हम' को युगल अर्थ में लेते हुए संभव और पारो को दंपती के रूप में आशीष दिया। • लड़की को देखकर संभव के मन में प्रेम का अंकुर स्फुटित हुआ। (क) • पाठ के आधार पर ऐसा लगता है कि संवदिया लंबे समय के बाद अपने गाँव से कटिहार पहुँचा था। • अब कटिहार स्टेशन का कायाकल्प हो चुका था, कौन-सी गाड़ी आ रही है, कौन-सी गाड़ी जाने वाली है, अलग-अलग स्टेशनों के लिए गाड़ी कौन-से प्लेटफॉर्म पर खड़ी है, घोषणा भोंपू (लाउडस्पीकर) द्वारा समय-समय पर की जा रही थी। किसी से पूछने या भटकने की परेशानी अब वहाँ नहीं थी। (ख) • इनाम की बात सुनकर बालक दुविधाग्रस्त स्थिति में आ गया था। उसके हृदय में कृत्रिमता और स्वाभाविकता के भावों की लड़ाई चल रही थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि स्वयं को खुश करे या अपने गुरुजनों को। • अंत में बालक के बालपन की जीत हुई। बालक की सहज प्रवृत्तियाँ जीत गईं। (ग) • मंदिर में घटने वाली घटना के लिए अफ़सोस जताएगा। • लड़की उस बात को कोई विशेष महत्त्व नहीं देगी। • लड़की से उसके शहर का नाम पता करने की कोशिश करेगा और इस तरह बातों का सिलसिला आगे बढ़ेगा।	
13	13	13	13	**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ – प्रेमघन की छाया-स्मृति लेखक – रामचंद्र शुक्ल **अथवा**	6

				(ख) पाठ —जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक—निर्मल वर्मा	
14	**14**	**14**		**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • देश के अन्य भागों में भी नदियों की स्थिति मालवा से अलग नहीं • नदियों में केवल चौमासे में ही पानी आना • कुछ नदियाँ तो विलुप्त होने के कगार पर • शहरी और रासायनिक कचरे से नदियाँ प्रदूषित • पहाड़ों से मैदानों तक पहुँचते-पहुँचते उनका जल विषैला होना **अथवा** (ख) • जीवन रूपी खेल की बात • जीवन सफलता-असफलता का क्रम • असफलताओं से न घबराना • सकारात्मकता के साथ चुनौतियों का सामना धैर्यपूर्वक करना • दृढ़-इच्छाशक्ति से कार्य की पूर्ति (क) • सूरदास गाँधीवादी विचारधारा की प्रतिमूर्ति, आत्मबल के सहारे ईर्ष्या व अन्याय के विरुद्ध जीवन-संग्राम में जूझना, विषम परिस्थितियों का सामना साहस व धैर्य से करना, क्षमाशील, परोपकारी, संतोषी, प्रतिशोध की भावना से परे • वर्तमान समय में जीवन-मूल्यों की स्थापना, प्रतिशोध की भावना समाप्त करने और पुनर्निर्माण के लिए प्रेरणा हेतु सूरदास जैसे चरित्र की प्रासंगिकता क्योंकि प्रतिशोध दुर्बल मन की निशानी (ख) (1+2) • औद्योगिक इकाइयों द्वारा विषैला, रासायनिक अपशिष्ट नदियों में बहाया जाना	**3**

			14	• धार्मिक आस्थाओं के चलते पूजा की सामग्री का नदी में प्रवाहित किया जाना • बढ़ती आबादी द्वारा भी नदियों को प्रदूषित किया जाना **सुझाव :** • जलशोधन इकाइयाँ लगाना • प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही • लोगों को सामाजिक मीडिया द्वारा जागरुक करना (क)• अमेरिका की यह घोषणा बिलकुल अनुचित • वैश्वीकरण के इस दौर में प्रत्येक देश का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक-दूसरे से जुड़ाव • विकसित देशों की जीवन पद्धति से विकासशील देशों पर भी प्रभाव • प्राकृतिक परिवेश की सुरक्षा किसी एक देश की नहीं बल्कि सबकी साझी जिम्मेदारी **अथवा** (ख) • सूरदास के चरित्र का उज्ज्वल पक्ष—उसका सहृदय, संवेदनशील एवं परोपकारी स्वभाव • खुद बेघर हो जाने पर भी सुभागी के बेघर होने के दुख से सूरदास का अपराधबोध से ग्रसित होना • भैरों उसे स्वीकार करेगा या नहीं, वह अब क्या करेगी ? कहाँ जाएगी— मानवता के कारण इस बात से चिंतित होना	